कामेडी उनकी ट्रेजेडी अपनी

हर वो चीज़ जो काली है, या सियाह रंग का एहसास कराती है, या हर वक्त साए की मानिंद पीछे पड़ी रहती है उससे क्यों इतना चमकते हो? दाढ़ी में तिनका ढूंढने लगते हो। हर छोटे हास्य या लतीफे से उछल पड़ते हो जैसे चार सौ चालीस वोल्ट का करेंट लगा हो?

भैया! आप यह इस बीच समाचार में छाए स्टैंड अप कॉमेडी करने वाले की व्यंग्यात्मक टिप्पणियों के बाद तिलमिलाती दाढ़ी वाले उप मुख्यमंत्री और उनके चेलों के बारे में कह रहे हो। लेकिन छोटी सी बात का इतना बड़ा बतंगड़? क्या हो गया है भैया?

सत्ता, सरकार, स्वामित्व और सारा कुछ अपना समझकर, अतीत को पूरी तरह भुलाकर, स्वयं को सम्राट समझने वाले में सब्र, धीरज या सहनशीलता का अभाव पूरी तरह दिखाई दे रहा है। एक तो उप रह गए मुख्य नहीं बन पाए उसी घाव पर इस कॉमेडियन ने नामक का पानी डाल दिया। तिलमिलाना तो सहज है पर जो प्रतिक्रिया उनकी वानर सेना ने दिखाई, वह कोई अच्छी बात नहीं है।

आप कॉमेडियन की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहो या वानरसेना की स्वतंत्रता लेकिन यह कोई स्वस्थ परंपरा नहीं है कि इस तरह तोड़फोड़ और व्यंग्य पर इतने अधिक प्रतिक्रियात्मक होने की।

सच है। हर बात में पिछले प्रधानमंत्रियों और पिछली सरकारों पर निंदारोपण किया जाता रहा है। इस मामले में संस्कारी सरकार से कहां चूक हो गई? नेहरू जी पर जितने राजनीतिक कार्टून बनें, अधिकतम आरके लक्ष्मण और शंकर ने बनाए और कभी भी उनके अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नकारा नहीं गया। हरिशंकर परसाई जी की रचनाओं में तब की सरकार और नेहरू जी पर इतने व्यंग्य कसे गए, राग दरबारी उसी समय लिखा गया जो कि वर्तमान की कॉमेडी से कहीं अधिक असरदार और चुभती सी रचनाएं रही हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि संकीर्ण सरकारों की तरह मस्तिष्क में संकीर्णता लिए, सहनशीलता को ताक पे रखते हुए सरकारी खुन्नस में जिए जा रहे हैं तो चोर की दाढ़ी में तिनका तो ढूंढा ही जायेगा न ?

भैया! मुझे तो एक और बात लगती है। पिछले दिनों नागपुर मामले में मुख्य ने अच्छी कवरेज हासिल की, अच्छी लोकप्रियता पाई तो स्वाभाविक है असहनीय बैठे उप को भी तो पॉपुलैरिटी की जरूरत पड़ेगी ही न। अब हल्ले लगा स्टैंड अप कॉमेडियन। बस हल्ला मचाकर अपने को मशहूर किए जा रहे हैं।

बात तुम्हारी सही है। लेकिन यह तो ऐसे हो गया जैसे खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे बिना कुछ समझे बगैर कुछ सोचे।

एक और बात कहना चाहता हूं भैया। अगर स्टैंड अप कॉमेडियंस को हल्का सा ले लिया है तो यह हमारी बहुत बड़ी गलती होगी, क्योंकि अब तक तो स्टैंड अप कॉमेडियन जो थे वह सत्ता संभाल रहे हैं शायद आपको पता ही होगा। एक तो हमारे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान साहब और दूसरे यूक्रेन के जेलुस्की। सोचने की बात यह है कि स्टैंड अप कॉमेडी करते-करते हुए वे कहां से कहां पहुंच गए इसलिए हमें स्टैंड अप कॉमेडियंस को हल्के से नहीं लेनी चाहिए। हमें चाहिए कि हम जो गलत खबरें खोज-खोज कर अपनी राष्ट्रीयता अपने संस्कार और अपने इतिहास का नया रूप जो जनता के सामने रख रहे हैं, इसके अलावा कोई और नया फंडा देखा जाए ताकि मूल समस्याओं से जनता की नज़र हटाई जा सके।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश बोड़ाने का अभद्र ऑडियो वायरल, युवक को दीं गालियां

पीड़ित युवक ने नौगांव थाने पर दिया आवेदन, सख्तव कार्रवाई की मांग

फोन पर गाली गलौच को लेकर एक आवेदन प्राप्तन हुआ है, जांच कर नियमुानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।
- सुनील शर्मा, थाना प्रभारी नौगांव

धार। नगर पालिका अध्यक्ष नेहा बोड़ाने के पति महेश बोड़ाने का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक युवक को अभद्र भाषा में गालियां देते हुए सुनाई दे रहे है। इस ऑडियो ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। घटना की तीन ऑडियों वायरल हुई है। तीनों ही ऑडियों में महेश बोड़ाने गालिया देते सुनाई दे रहे है।

वायरल ऑडियो में महेश बोड़ाने नौगांव क्षेत्र के ही नरेंद्र बाघेल उर्फ पिंटू को लगातार अपशब्द कहते सुनाई दे रहे हैं। जिस नरेंद्र बाघेला से उनकी बहस हो रही है। नरेंद्र बाघेला पूर्व में कांग्रेस का कार्यकर्ता रह चुका है। यह मामला राजनीतिक रंग भी ले सकता है, क्योंकि महेश बोड़ाने पूर्व में भाजपा से जुड़े रहे हैं और पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव यादव के करीबी माने जाते हैं। महेश बोड़ाने को पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा विरोधी गतिविधियों के चलते पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव यादव के लिए काम किया, जिसके कारण भाजपा ने यह कार्रवाई की थी।

इस वायरल ऑडियो के सामने आने के बाद विपक्ष को नगर पालिका प्रशासन पर निशाना साधने का एक और मौका मिल गया है। हालांकि, अब तक महेश बोड़ाने या उनकी पत्नी, नगर पालिका अध्यक्ष नेहा बोड़ाने की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस घटना को लेकर स्थानीय राजनीति में सरगर्मी बढ़ गई है। कांग्रेस के साथ इसे भाजपा नेता भी मुद्दा बनाने को तैयार खड़े है, क्योंटकि मौजूदा नगर पालिका परिषद में अध्य क्ष महेश बोड़ाने की पत्नीर नेहा बोड़ाने है, और यह परिषद पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव यादव ने बनवाई थी, परिषद बनने के बाद से ही भाजपा और कांग्रेस के पार्षद इस परिषद पर भेदभाव के आरोप लगाकर लगातार विरोध दर्ज करा रहे थे, अब महेश बोड़ाने का यह वायरल ऑडियों नई चर्चाओं को जन्म दे रहा है।

नौगांव थाने पर दिया आवेदन

ऑडियो वायरल होने के बाद नरेंद्र बाघेला निवासी विवेकानंद मार्ग ने नौगांव थाने पर महेश बोड़ाने के खिलाफ एक आवेदन दिया है जिसमें उसने बताया कि जनवरी 2022 में हुए नगर पालिका चुनाव से आज तक महेश बोड़ाने पिता रमेश बोडाने निवासी नौगांव द्वारा मुझे राजनीति मदभेद की वजह से आए दिन गाली गालौच कर जान से माने की धमकी देता है। 26 मार्च को मैं मांडव में मेरे दोस्तत लोकेश मकवाना और नरेंद्र बारोड के साथ खाना खा रहा था तभी छोटे भाई विकास बाघेला का मेरा फोन आया और वह बोला ङ्क महेश बोड़ाने घर आया है और अभद्र गालिया दे रहा है, साथ ही छोटे भाई को भी गालिया देकर उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है, बाद में मनीष मकवाना उसे कॉलोनी से गाड़ी में बैठाकर ले गया।

जब पूरे मामले में महेश बोड़ाने से चर्चा की गई तो उन्होंवने वायरल ऑडियों को सिरे से नाराकते हुए कहा कि वायरल ऑडियों उनकी नही है, किसी फेक तरीके से ऑडियों बनाया है, थाने पर दिए गए आवेदन के संबंध में पुछने पर उन्होंनने बताया कि ऐसे कोई आवेदन की जानकारी उन्हें नही है।

धार 2041- सुनियोजित विकास की ओर बड़ा कदम कलेक्टर ने बैठक में रखा विकास का विजन

धार। धार नगर के भविष्य को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में नगर के सुनियोजित विकास पर विस्तार से चर्चा हुई। कलेक्टर ने सुझाव दिया कि जल संसाधन, कृषि, फॉरेस्ट और नगर पालिका विभागों से प्रस्ताव लिए जाएँ, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन क्षेत्रों में कोई कंजर्वेशन लैंड प्रभावित न हो।बैठक में विधायक नीना वर्मा, सीईओ अभिषेक चौधरी,डीएफओ अशोक कुमार सोलंकी,एसडीएम रोशनी पाटीदार सहित टाउन एंड कंट्री प्लानिंग,नगर पालिका,हाउसिंग बोर्ड के संबधित अधिकारी उपस्थित रहे। धार के विकास को संतुलित और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए चार दिशाओं में चार विजन पर कार्य करने की योजना बनाई गई। कहा गया की रेजिडेंशियल एरिया को धूल-धक्कड़ से मुक्त और सुव्यवस्थित बनाया जाए। जंगल और हरित क्षेत्र को सिटी फॉरेस्ट के रूप में संरक्षित किया जाए, जिससे यह नगर के 'फेफड़े' की तरह काम करेगा। इंडस्ट्रियल ज़ोन को नियोजित ढंग से विकसित किया जाएगा ताकि प्रदूषण और यातायात की समस्या कम हो। जल संरक्षण, हरित क्षेत्र और अन्य शासकीय आवश्यक संरचनाओं के लिए रिजर्व ज़ोन निर्धारित किया जाए।शहरी क्षेत्र को अत्यधिक घना न होने देने और हरियाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। तालाबों की भराव स्ट्रीम को संरक्षित करने और तालाबों को आपस में जोड़ने की योजना पर विचार किया गया, जिससे जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन किया जा सके। सिटी फॉरेस्ट को नगर का 'लंग्स' बताया गया, ताकि हरित क्षेत्र की निरंतरता बनी रहे। इसके साथ ही, ग्रेनरी एरिया को भी सुनियोजित ढंग से विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया।परिवहन और लॉजिस्टिक्स को सुचारू बनाने के लिए स्टेशन के पास वेयरहाउसिंग सुविधाओं को बढ़ावा देने की बात कही गई, ताकि व्यापार और लॉजिस्टिक्स को मजबूती मिल सके। तिरला रेलवे जंक्शन के पास ट्रांसपोर्ट नगर विकसित करने का प्रस्ताव दिया गया, जिससे भारी वाहनों की आवाजाही सुव्यवस्थित हो सके। शहर के यातायात दबाव को कम करने के लिए रिंग रोड का प्रस्ताव रखा गया, जिससे हाईवे से हाईवे पर जाने वाले ट्रकों का आवागमन सीधे हो सके और शहर में अनावश्यक यातायात का बोझ न बढ़े। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि रेलवे लाइन और हाईवे के किनारे रेजिडेंशियल क्षेत्र नहीं बनाए जाने चाहिए, जिससे सुरक्षा और शहरी नियोजन संतुलित रह सके।स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को ध्यान में रखते हुए मेडिकल कॉलेज के आसपास स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने वाले संस्थानों और सुविधाओं को विकसित करने का सुझाव दिया गया।

हर्षोल्लास से मनाई जाएगी भगवान झूलेलाल जयंती

शोभायात्रा, ध्वजारोहण, मंदिर में भजन व वेहराणा साहेब कार्यक्रम होंगे

नागदा जं. निप्र। सिंधी समाज प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी चेटीचंड पर्व दिनांक 30 मार्च 2025 रविवार को श्रद्धाभाव के साथ मनायेगा। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रातः 8.30 बजे मंदिर शिखर पर समाज अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश टिलवानी द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। सुबह 9 बजे भगवान झूलेलाल का अभिषेक, आरती, भगवान का श्रृंगार किया जायेगा।

समाजजनो द्वारा 10 बजे से पुरे नगर में एक वाहन रैली निकाली जावेगी। इसके पश्चात भजन कीर्तन, प्रसाद एवं ठण्डाई का वितरण किया जायेगा। शाम को 5 बजे से भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा किरण टाकिज के पास स्थित मंदिर से निकाली जावेगी जो जवाहर मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग होती हुई चम्बल तट पर पहुंचेगी। शोभा यात्रा में बेण्ड बाजे, डीजे, ढोल, घोडे, बग्घी एवं भगवान झूलेलालजी की आकर्षक झाँकी आदि शामिल होंगे। रात्रि में 8.30 बजे भोजन के पश्चात कार्यक्रम का समापन होगा। आयोजन के एक दिन पूर्व शनिवार को भजन संध्या का आयोजन झूलेलाल मंदिर होगा जिसमें उज्जैन से विशेष रूप से पधार रहे जय अंबे म्यूजिकल ग्रुप के सिंगर लक्ष्मण दादवानी भजनो की प्रस्तुति देंगे। साथ ही समाज के वरिष्ठो का सम्मान भी किया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील संरक्षक डॉ. एसआर चावला, सुरेश पंजाबी, चन्द्रप्रकाश टिलवानी, ठाकुरदास चंदनानी, बंसीलाल चंदनानी, भगवानदास लीलानी, हेमंत दासवानी, जयंतीलाल कोटवानी, योगेश तोलानी, ईश्वरलाल धनवानी, अतुल धनवानी, नारायणदास खत्री, तेजूमल पकवानी, गौरव तोलानी, पवन कोटवानी, दीपक कोटवानी, सुनील लीलानी, महेश दासवानी, श्यामलाल खत्री, देवेन्द्र चम्पू दासवानी, भरत धनवानी सहित समाजजनो ने की है।

27वां रोजा : माहे रमजान की रुखसत का पैगाम

नागदा जं. निप्र। आज सत्ताईसवां रोजा है। कल छब्बीसवां रोजा और शबे-कद्र (सत्ताईसवीं रात) साथ-साथ थे। यहां यह बात जानना जरूरी है कि छब्बीसवां रोजा जिस दिन होगा, उसी शाम गुरुबे-आफताब के बाद (सूर्यास्त के पश्चात) सत्ताईसवीं रात यानी शबे-कद्र भी शुरू हो जाएगी।

छब्बीसवें रोजे के साथ ताक रात (विषम संख्या वाली रात्रि) यानी शबे-कद्र आएगी ही। सत्ताईसवां रोजा तो वैसे भी दोजख से निजात के अशरे (नर्क से मुक्ति के कालखंड) में अपनी अहमियत रखता ही है। सत्ताईसवां रोजा दरअसल रोजादार को दोहरे सवाब का हकदार बना रहा है। अब यह भी समझना जरूरी है कि आखिरी जुमा क्या अहमियत रखता है? जवाब यह है कि जिस तरह यहूदी मजहब में सनीचर (शनिवार) को और ईसाई मजहब में इतवार (रविवार) को इबादत के लिए हफ्ते का खास दिन माना जाता है। वैसे ही इस्लाम मजहब में जुमा (शुक्रवार) इबादत और इजिमाई नमाज (सामूहिक प्रार्थना के लिए) खास दिन माना जाता है। हदीस-शरीफ में है कि जुमा के दिन ही हजरत आदम (अलैहिस्सलाम) को जन्नत से दुनिया में भेजा गया। उन्हें वापस जन्नत भी जुमा के दिन मिली। उनकी तौबा (प्रायश्चित) भी जुमा के दिन अल्लाह ने कुबूल की और सबसे बड़ी बात तो यह कि हजरत मोहम्मद (सल्ल.) की जिंदगी का आखिरी हज जुमे के दिन ही था। कुरआने-पाक में सूरह जुमा नाजिल की गई। आखिरी जुमा, माहे-रमजान की रुखसत का पैगाम है। कुल मिलाकर आखिरी जुमा यानी यौमे-खास रमजान की विदाई का अहसास।

दिगम्बर जैन मुनि संघ का 29 को धार में प्रवेश, तैयारियों में जुटे समाजजनन

धार। दिगंबर जैन मुनियों का संघ का मंगल प्रवेश धार में 29 मार्च को होने जा रहा है। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल, संजय छाबड़ा साचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि यह धार का समाज का सौभाग्य हैकि मुनियों के संघ का मंगल प्रवेश कई वर्षों बाद हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि मुनि श्री संघ ने मनावर से धार के ओर विहार कर दिया है। मीडिया प्रभारी सुभाष जैन ने बताया कि मुनि श्री संघ में चार मुनि श्री है, जो विशुद्ध सागर महाराज के परम शिष्य हैं। समाज के पदाधिकारीगण उनके आगमन की तैयारी में जुटे हुए हैं। आने वाले संघ में मुनि श्री प्रशम सागर जी महाराज, मुनि श्री साध्य सागर जी महाराज, मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज एवं मुनि श्री जयंद्र सागर जी महाराज शामिल है। मुनि श्री संघ का प्रवेश भोजशाला प्रांगण से प्रातः 8-00 बजे होगा। इसके पूर्व 28 मार्च को दिगंबर जैन मानतुंगगरी तीर्थ में मंगल प्रवेश होगा और रात्रि विश्राम करने के बाद धार की ओर विहार कर देंगे। मुनि श्री संघ को जुलूस के रूप में शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर धार में लाया जाएगा। समाज के पदाधिकारी ने समाज जनों से अपील की है कि उनकी अगवानी कार्यक्रम में शामिल होकर मुनि संघ का मंगल प्रवेश कराएं।

ट्राई बल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने सहायक आयुक्त को सौंपा ज्ञापन, अध्यापकों की समस्याओं के निराकरण की मांग

डही। अध्यापकों की समस्याओं के निराकरण के लिए मप्र ट्राईबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष शैलेष मालवीय के नेतृत्व में जनजातीय कार्य विभाग धार की सहायक आयुक्त मनीषा गौतम को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के निराकरण की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि 12 वर्ष एवं 24 वर्ष की क्रमोन्नति प्राप्त अध्यापकों को वेतन पारित होने के बाद भी कई ब्लॉकों में एवं संकूलों पर एरियर राशि का भुगतान नहीं किया गया है। कुछ जगह चार प्रतिशत डीए एरियर का भी भुगतान नहीं किया गया है। इसमें नालछा ब्लॉक में तो किसी भी प्रकार की एरियर राशि का भुगतान नहीं किया गया है?। नवीन शिक्षक संवर्ग की 3 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के पश्चात भी 100 प्रतिशत वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। 10, 20 और 30 वर्ष के समयमान वेतनमान का आदेश एवं वेतन का भुगतान आज तक नहीं किया गया है। उच्च माध्यमिक शिक्षक 2006 वालों की 10 वर्ष पूर्ण करने पर 2016 में पात्रता है, किंतु आदेश में 2018 से पात्रता दिनांक मानी गई है। इन समस्याओं के शीघ्र निराकरण करने की सहायक आयुक्त से मांग की गई। इस दौरान सनत मिश्रा, राकेश तिवारी, योगेंद्र तोमर, संजय मलतारे, सावित्री सिसोदिया, भावना चौहान, सारिका यादव, अनीता निगवाल, हिमांशु श्रीवास्तव, प्रकाश राठौड़, देवांशु मिश्रा, भावेश कुमार, कैलाश कुमावत, जीवन मकवाना आदि उपस्थित थे। यह जानकारी एसोसिएशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी इरफान मंसूरी (डही) ने दी।

प्रवेशोत्सव 2025 : स्प्रदेश में स्कूल चलें हम अभियान एक से 4 अप्रैल तक

स्कूल शिक्षा विभाग ने कलेक्टर्स को जारी किए दिशा-निर्देश

धार। प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2025-26 की शुरूआत एक अप्रैल से स्कूल चलें हम अभियान के रूप में की जायेगी। अभियान के दौरान प्रदेश में एक से 4 अप्रैल, 2025 तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। अभियान के दौरान सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

राज्य स्तरीय आयोजन- स्कूल चलें हम अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की जा रही है।

जिला-शाला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम- प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित शाला में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी और मैदानी अमले को विभाग द्वारा निर्देश जारी कर दिये गये हैं। ग्राम और

बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जायेगा। बच्चों के अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा। कक्षा-1 से 8 तक सभी शालाओं में एक अप्रैल को बालसभा का आयोजन किया जायेगा। इस दिन शालाओं में विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गयी है।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम- स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन शालाओं में «भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियाँ सुनायेंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वैच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएँ भेंट कर सकेंगे। जिला कलेक्टर को जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ संवाद करने के लिये संवाद करने के भी निर्देश दिये गये हैं।

सांस्कृतिक एवं खेल-कूद गतिविधियां- स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 3 अप्रैल को शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जुड़ाव करना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टॉप द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। पिछले शैक्षणिक सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों को सभा में सम्मानित किया जायेगा।

हार के आगे जीत- स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 4 अप्रैल को ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जायेगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गये हैं। पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी। उन्हें बताया जायेगा कि असफल होने के बाद भी लगातार प्रयास से अच्छा भविष्य तैयार किया जा सकता है। इसी दिन शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक भी होगी। बैठक में नये शैक्षणिक सत्र में ऐसे बच्चों पर विशेष रूप से चर्चा की जायेगी, जिनका शालाओं में नामांकन नहीं हो पाया है। समिति के सदस्य अपने विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों के नामांकन की कोशिश करेंगे और वार्षिक कार्य-योजना बनाकर उसके क्रियान्वयन पर चर्चा करेंगे।